मनसा सेवा - 37

➢➢ शुद्ध संकल्प कहाँ से प्राप्त किये जा सकते हैं ?

➳ _ ➳ स्थूल

→ साकार और अव्यक्त मुरलियाँ

→ BOOKS

→ LITERATURE

→ MAGAZINES

→ CLASSES

- पॉइंट्स लिखें
- पॉइंट्स बार बार rewise करें
- उन पर आधारित योग अभ्यास करें

➳ _ ➳ सूक्षम

→ ज्ञान चिंतन

- मुरली को बार बार rewise करें
- मुरली के एक एक पॉइंट के ऊपर बहुत गहराई से सोचें
- मुरली revision अलग लग रचनात्मक और नवीन METHODS से करें
- ग्रुप्स में Discussion करें

→ मुरली Read करते हुए सभी Senses को involve करें

- आखों से पड़ना है
- मुह से बोलना है
- साथ साथ कानो से उसका ऑडियो सुनना है
- अपनी आवाज़ में रिकॉर्ड किया हुआ सुनो
- हर पॉइंट का सीन बनाओ / दृश्य देखो
- हर पॉइंट का साथ साथ स्वरुप बनने का अभ्यास करो
- फटाफट मुरली ख़तम करने का लक्ष्य बिलकुल भी न रखें

→ मुरली की हर पॉइंट को शक्ति के रूप में जमा करना

- पॉइंट्स को अनुभव में लायें
- पॉइंट्स का स्वरुप बनें
- हर पॉइंट का बाबा को चार्ट दें

→ मन को कभी खाली न रहने दें

- खाली मन शैतान का घर
- भयंकर माया का चारों तरफ से अटैक होगा
- एक एक सेकंड को सफल करें

➢➢ शुद्ध संकल्पों का विस्तार

➳ _ ➳ एक शुद्ध संकल्प नए शुद्ध संकल्पों को जन्म देगा

→ Creativity लेकर आएगा

→ नए नए Ideas आने लगेंगे

→ नयी नयी Touchings होनी लगेंगी

→ बुधी शुद्ध होने लगेंगी

→ Purity बढने लगेगी

Avyakt Murli Reference :- Page Number 27…28 Of Mansa Sewa Book

---